shrIrAjarAjeshvaryaShTakam

श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम्

Document Information

Text title : rAjarAjeshvaryaShTakam 1

File name : rajeshvari8.itx

Category : aShTaka, devii, dashamahAvidyA, devI, shankarAchArya

Location : doc_devii

Author : Shankaracharya

Transliterated by : Kapila Shankaran Love kapilalove at gmail.com

Proofread by : Sowmya Ramkumar

Latest update : January 29, 1998, August 14, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 14, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम्

अंबाष्टकम्

॥ अथ श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम् ॥

अम्बा शाम्भवि चन्द्रमौलिरबलाऽपर्णा उमा पार्वती
काली हैमवती शिवा त्रिनयनी कात्यायनी भैरवी ।
सावित्री नवयौवना शुभकरी साम्राज्यलक्ष्मीप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ १॥

अम्बा मोहिनी देवता त्रिभुवनी आनन्दसंदायिनी
वाणी पल्लवपाणिवेणुमुरलीगानप्रिया लोलिनी ।
कल्याणी उडुराजबिम्ब वदना धूम्राक्षसंहारिणी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ २॥

अम्बा नूपुररत्नकङ्कणधरी केयूरहारावली
जातीचम्पकवैजयंतिलहरी ग्रैवेयकैराजिता ।
वीणावेणुविनोदमण्डितकरा वीरासने संस्थिता
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ३॥

अम्बा रौद्रिणि भद्रकालि बगला ज्वालामुखी वैष्णवी
ब्रह्माणी त्रिपुरान्तकी सुरनुता देदीप्यमानोज्वला ।
चामुण्डा श्रितरक्षपोषजननी दाक्षायणी वल्लवी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ४॥

अम्बा शूलधनुः कुशाङ्कुशधरी अर्धेन्दुबिम्बाधरी
वाराहीमधुकैटभप्रशमनी वाणी रमासेविता ।
मल्लाद्यासुरमूकदैत्यमथनी माहेश्वरी चाम्बिका
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ५॥

अम्बा सृष्टिविनाशपालनकरी आर्या विसंशोभिता

गायत्री प्रणवाक्षरामृतरसः पूर्णानुसंधी कृता ।
ओङ्कारी विनतासुतार्चितपदा उद्दण्ड दैत्यापहा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ६॥

अम्बा शाश्वत आगमादिविनुता आर्या महादेवता
या ब्रह्मादिपिपीलिकान्तजननी या वै जगन्मोहिनी ।
या पञ्चप्रणवादिरेफजननी या चित्कला मालिनी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ७॥

अम्बापालितभक्तराजदनिशं अम्बाष्टकं यः पठेत्
अम्बालोलकटाक्षवीक्ष ललितं चैश्वर्यमव्याहतम् ।
अम्बा पावनमन्त्रराजपठनादन्ते च मोक्षप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ८॥

छन्दःपादयुगा निरूक्तासुनखा शिक्षासुजङ्घायुगा
ऋग्वेदोरूयुगा यजुर सुजधनां या सामवेदोदरा ।
तर्कावित्तिकुचा श्रुति स्मृतिकरा काव्यरविन्दानना
वेदान्तामृत लोचना भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ९॥

अम्बा शाङ्करी भारद्वाजगमनी आर्या भवानीश्वरी
या अम्बा महिषासुरप्रमथिनी वाक्कातुरी सुन्दरी ।
दुर्गाख्या कमला निशुम्भ दमनी दुर्भाग्य विच्छेदिनी
चिद्रुपा परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ १०॥

अम्बा श्यामल एकदन्तजननी अत्युन्नतिकारिणी
कल्याणी व्रजराजपुत्रजननी कामप्रदा चन्द्रिका ।
पद्माक्षी त्रिदशेश्वरी सुरनता देदिप्यमानोज्वला
चिद्रुपा परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ११॥

या देवी शिवकेशवादि जननी या वै जगद्रुपिणी
या ब्रह्मादिपि पीलीकान्त जगता मानन्दसन्दायिनी ।
या वै च प्रणवद् विरेफजननी या चित्कलामालिनी
सा माया परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ १२॥

॥ इति भक्तराजविरचितं श्रीराजराजेश्वर्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Verses 1-8 are attributed to Shankaracharya.

Verses 9-12 are found in different versions some giving
authorship to bhaktarAja. The sequence of
verse numbers is likely to be different.

Eन्चोदेद् अन्द् प्रूफ़ेअद् ब्य् ख़पिल षन्करन्
Oच्तोबेर् २० १९९८

shrIrAjarAjeshvaryaShTakam
pdf was typeset on August 14, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*